सतत् विकास पर ECOSOC फोरम

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में, न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सतत् विकास **पर उच्च स्तरीय राजनीतिक फोरम में राजस्थान** के स्वदेशी जनजातीय समुदायों ने वैश्विक चुनौतियों के प्रभावी समाधान के रूप में अपनी पारंपरिक प्रथाओं का प्रदर्शन किया।

- यह फोरम संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ECOSOC) के तत्त्वावधान में आयोजित किया गया था, जिसकी थीम थी- '**वर्ष 2030 के एजेंडे को सुदृढ़ बनाना और विभिन्न संकटों में गरीबी उन्मूलन: सतत, लचीले एवं नवीन समाधानों का प्रभावी क्रियान्वयन**' (**'Reinforcing the 2030 agenda and eradicating poverty in times of multiple crises: The effective delivery of sustainable, resilient and innovative solutions'**)।
    - **वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर द्वारा स्थापित ECOSOC** आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर समन्वय, नीति समीक्षा, नीति संवाद तथा सिफारिशों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहमत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन हेतु यह एक प्रमुख निकाय है।
    - यह **सतत् विकास पर अध्ययन, चर्चा और नवीन सोच** के लिये संयुक्त राष्ट्र का केंद्रीय मंच है।
    - इसके **54 सदस्य संयुक्त राष्ट्र महासभा** द्वारा तीन-वर्षीय कार्यकाल के लिये चुने जाते हैं।
- **राजस्थान स्थित** स्वैच्छिक समूह **वाग्धारा** ने कृषि और संसाधन प्रबंधन में स्वदेशी प्रथाओं के लचीलेपन व स्थायित्व पर ज़ोर दिया।
- मंच ने जनजातीय समुदायों द्वारा **बीज संरक्षण, जल संरक्षण और सतत् कृषि** जैसी पहलों को मान्यता दी, जिससे **कोविड-19** महामारी के प्रभावों सहित **आर्थिक तथा पर्यावरणीय चुनौतियों** में कमी आई है।
    - **भील, डामोर, दमरिया, धानका, तड़वी, तेतरिया, वलवी, सहरिया, कोली और तुरी राजस्थान** में पाई जाने वाली कुछ अनुसूचित जनजातियाँ हैं।

और पढ़ें: संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ECOSOC), सतत् विकास

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ecosoc-forum-on-sustainable-development